Paper - II

MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - II

Time : 3 Hours **(Pages 10)** **Max. Marks : 100**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 - गद्य

24 अंक

प्र.1. (क) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (8)

यहाँ सर्दी अच्छी है। फूलों में गुलदाउदी, क्रिजेन्थीमम फूल बहार में हैं। उसकी कलियाँ महीनों तक खुलती ही नहीं मानो भारी रहस्य की बात पेट में भर दी हो और होठों को सीकर बैठ गई हों। जब खिलती हैं तब भी एक-एक पंखुड़ी करके खिलती हैं। वे टिकते हैं बहुत। गुलाब भी खिलने लगे हैं। कोस्मोस के दिन गए। उन्होंने बहुत आनंद दिया। जिनिया का एक पौधा, रास्ते के किनारे पर था जो आए सो उसकी कली तोड़े। फिर मैंने इस बड़े पौधे को वहाँ से निकालकर अपने सिरहाने के पास लगा दिया, फिर इसने सुंदर फूल दिए। इसकी आँखें मानो उत्कटता से बोलती हों, ऐसी लगतीं। दो-एक महीने फूल देकर अंत में वह सूख गया। परसों ही मैंने उसे बिदा दी।

- काका का दोनों को सप्रेम शुभाशीष

गुरु : २१. १२. ४४

(1) तालिका पूर्ण कीजिए। 2

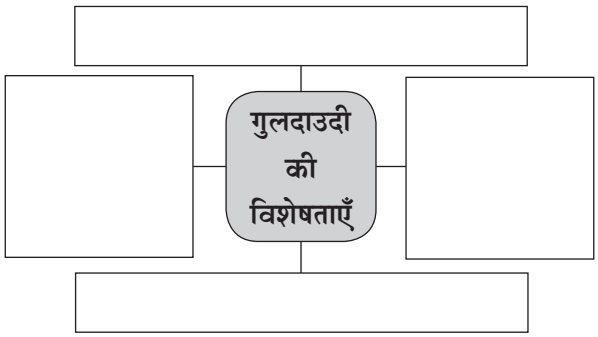

(2) उचित जोड़ियाँ मिलाइए। **2**

'अ'	'ब'
(i) सुंदर	(क) रहस्य
(ii) बहुत	(ख) सर्दी
(iii) अच्छी	(ग) आनंद
(iv) भारी	(घ) फूल

(3) (i) **परिच्छेद में से शब्द-युग्म छाँटकर लिखिए।** **1**

(ii) **निम्नलिखित तद्भव शब्दों के तत्सम शब्द लिखिए।** **1**

(1) होठ (2) आशीर्वाद

(4) 'प्रकृति मानव-मन को प्रेरणा देती है।' अपने विचार लिखिए। **2**

प्र.1. (ख) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(8)**

तिवारी जी: नागरजी, मैं आपको आपके लेखन के आरंभ काल की ओर ले चलना चाहता हूँ। जिस समय आपने लिखना शुरू किया उस समय का साहित्यिक माहौल क्या था? किन लोगों से प्रेरित होकर आपने लिखना शुरू किया और क्या आदर्श थे आपके सामने?

नागर जी : लिखने से पहले तो मैंने पढ़ना शुरू किया था। आरंभ में कवियों को ही अधिक पढ़ना था। सनेही जी, अयोध्यासिंह उपाध्याय की कविताएँ ज्यादा पढ़ीं। छापे का अक्षर मेरा पहला मित्र था। घर में दो पत्रिकाएँ मँगाते थे मेरे पितामह। एक 'सरस्वती' और दूसरी 'गृहलक्ष्मी'। उस समय हमारे सामने प्रेमचंद का साहित्य था, कौशिक का था। आरंभ में बंकिम के उपन्यास पढ़े। शरतचंद्र को बाद में। प्रभातकुमार मुखोपाध्याय का कहानी संग्रह 'देशी और विलायती' १९३० के आसपास पढ़ा। उपन्यासों में बंकिम के उपन्यास १९३० में ही पढ़ डाले। 'आनंदमठ', 'देवी चौधरानी' और एक 'राजस्थानी टीम पर लिखा हुआ उपन्यास, उसी समय पढ़ा था।

तिवारी जी: क्या यही लेखक आपके लेखन के आदर्श रहे?

नागरजी : नहीं, कोई आदर्श नहीं। केवल आनंद था पढ़ने का। सबसे पहले कविता फूटी साइमन कमीशन के बहिष्कार के समय १९२८-१९२९ में। लाठीचार्ज हुआ था। इस अनुभव से ही पहली कविता फूटी-'कब लौं कहौं लाठी खाय!' इसे ही लेखन का आरंभ मानिए।

(1) (i) संजाल पूर्ण कीजिए। **2**

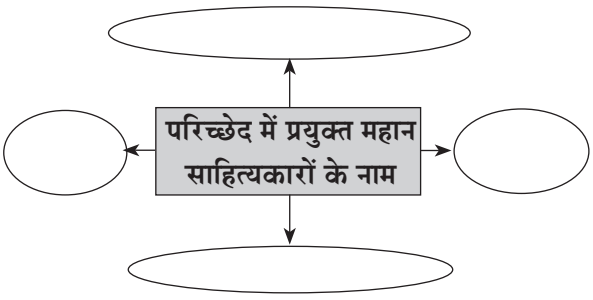

(ii) कृति पूर्ण कीजिए। **1**

लेखक	पुस्तक
बंकिमचंद्र चटर्जी	.....
.....	देशी और विलायती (उपन्यास)

(2) उत्तर लिखिए । **1**

नागर जी की पहली कविता को प्रस्फुटित करने वाला अनुभव-

(3) (i) मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए। **1**

(1) आनन्दमठ (2) लाठीचारज

(ii) लिंग बदलिए। **1**

(1) कवि - ..... (2) लेखक - .....

(4) 'कविता लिखना एक सहज कला होती है।' इस कथन के संदर्भ में अपने विचार लिखिए। **2**

प्र.1. (ग) अपठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

बापू की छाती की हर साँस तपस्या थी,
आती-जाती हल करती एक समस्या थी।

उस तपस्या का फल, बापू अवसर और पात्र के अनुरूप अपने सारे जीवन बाँटते रहे। उनकी तपस्या का एक छोटा-सा प्रसाद पाने का अवसर मुझे भी प्राप्त हुआ था।

यह बात असहयोग आंदोलन के समय की है । अवसर विशेष क्या था, इसकी मुझे याद नहीं । प्रयाग में कांग्रेस के बहुत से नेता आए हुए थे। आनंद भवन अतिथियों से भरा हुआ था । नेताओं की दैनिक सुविधाओं की देख-रेख करने के लिए एक स्वयंसेवकदल बना लिया गया था । जाड़े के दिन थे । एक बड़े बरतन में पानी गरम होता था और जब जिसको नहाने धोने के लिए पानी की जरूरत होती थी, हम छोटी-छोटी बाल्टियों में भर, पहुँचा दिया करते थे। गांधीजी भी आनंद भवन में ठहरे थे। उनके नहाने के लिए गरम पानी ११ बजे पहुँचाने का आदेश था। समय आ गया। पानी तो तैयार था ही। दुर्भाग्यवश हमारे पास उस समय एक ऐसी बाल्टी बची हुई थी जिसका हैंडिल निकल गया था। पानी तो हमने उसमें भर लिया, पर उसे उठाकर कैसे ले जाया जाए? इंतजार था कि कोई अच्छी बाल्टी खाली होकर आ जाए तो उसी को ले जाएँ। यह भी ध्यान था कि नहाने के लिए भी क्या कोई मुहूर्त होता है? दो-चार मिनट इधर-उधर ही हो गए तो क्या? ठीक ग्यारह बजे गांधीजी नहाने की तैयारी में बरामदे में आए। पानी तो उनके पास पहुँचा नहीं था। हमारी ओर उन्होंने देखा, समस्या भी समझ गए, मुस्कराए और हमने देखा कि तेजी के साथ वे हमाम की ओर आ रहे हैं। बाल्टी के पास आते ही उन्होंने अपने दोनों हाथों से उसे उठा लिया और लेकर तीर की तरह, अपने नहाने के कमरे की ओर चले गए। जाते समय इतना कह गए - जो काम जिस समय करना है करना, न करना समय के साथ दगाबाजी है। यह सब इतनी जल्दी हो गया कि न हमसे बन पड़ा कि खुद बाल्टी ले जाएँ, न यह कि उस गरम हुए बरतन को उनसे छुड़ा लें। शायद भय भी था कि इस छीना झपटी में कहीं गरम पानी बाहर छलककर हाथों को न जला दे। वे तो बस आए और बरतन उठाकर चले ही गए। किसी तरह का उन्होंने मौका ही न दिया।

(1) कृति पूर्ण कीजिए। **2**

(i) इनके अनुरूप बाँटा तपस्या का फल

(ii) इस ऐतिहासिक आंदोलन का नाम परिच्छेद में आया है।

(2) (i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(i) बापू की हर साँस की विशेषता

(1) ..... (2) .....

(ii) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) तपस्या (2) आनंदभवन

(3) पहेली में से विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए। **2**

मी	र		त्र
अ		ग	
ए	ग	दू	पा

(i) पात्र × ..... (ii) पास × .....

(iii) जाड़ा × ..... (iv) आए × .....

(4) "जो काम जिस समय करना है करना, न करना, समय के साथ दगाबाजी है।" इस कथन पर अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 2 - पद्य

18 अंक

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

मेरे घर छापा पड़ा, छोटा नहीं बहुत बड़ा
वे आए, घर में घुसे, और बोले-सोना कहाँ है?
मैंने कहा-मेरी आँखों में हैं, कई रात से नहीं सोया हूँ
वे रोष में आकर बोले - स्वर्ण दो स्वर्ण!
मैंने जोश में आकर कहा- सुवर्ण मैंने अपने काव्य में बिखेरे हैं।
उन्हें कैसे दे दूँ।
वे झुँझलाकर बोले, तुम समझे नहीं
हमें तुम्हारा अनधिकृत रूप से अर्जित अर्थ चाहिए
मैं मुसकाकर बोला, अर्थ मेरी नई कविताओं में है
तुम्हें मिल जाए तो ढूँढ़ लो
वे कड़ककर बोले, चाँदी कहाँ है?
मैं भड़ककर बोला-मेरे बालों में आ रही है धीरे-धीरे।।

(1) (i) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) **छापामारों ने कवि से इन चीजों के बारे में पूछा**

(2) **छापामार इस प्रकार के पैसों की तलाश में थे**

(ii) **सही या गलत पहचानकर गलत वाक्य को सही करके फिर से लिखिए।** **1**

(1) कवि के घर में चोर घुसे थे।

(2) छापामार कवि से उसकी कविताओं की माँग कर रहे थे।

(2) कविता के आधार पर जोड़ियाँ मिलाइए। **2**

अ	ब
अर्थ →	
सुवर्ण →	
चाँदी →	
छापा →	

(3) निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। **2**

मेरे घर छापा पड़ा, छोटा नहीं बहुत बड़ा
वे आए, घर में घुसे, और बोले-सोना कहाँ है ?
मैंने कहा-मेरी आँखों में हैं, कई रात से नहीं सोया हूँ
वे रोष में आकर बोले - स्वर्ण दो स्वर्ण !
मैंने जोश में आकर कहा- सुवर्ण मैंने अपने काव्य में बिखेरे हैं।
उन्हें कैसे दे दूँ।

प्र.2. (छ) निम्न मुद्दों के आधार पर निम्न कविता का पद्य विश्लेषण कीजिए: **6**

(i) **समता की ओर** **अथवा** (ii) **भारत महिमा**

(1) कविता के कवि/रचनाकार का नाम :

(2) काव्य प्रकार (3) पसंदीदा पंक्ति

(4) पसंदीदा होने का कारण (5) कविता से प्राप्त संदेश/प्रेरणा

प्र.2. (ज) अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

तेरो लाल मेरो माखन खायो।
दुपहर दिवस जानि घर सूनो ढूंढ़ि ढढ़ोरि आप ही आयो।।
खोल किवार सूने मंदिर में दूध दही सब सखन खवायो।
सींके काढ़ि खाट चढ़ि मोहन कछु खायो कछु लै ढरकायो।
दिन प्रति हानि होत गोरस की यह ढोटा कौने ढंग जायो।
'सूरदास' कहती ब्रजनारी पूत अनोखो जायो।।

(1) (i) आकृति पूर्ण कीजिए। **1**

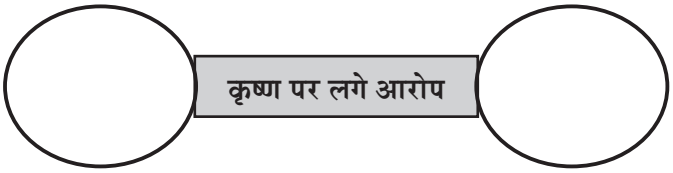

(ii) कृति पूर्ण कीजिए। **1**

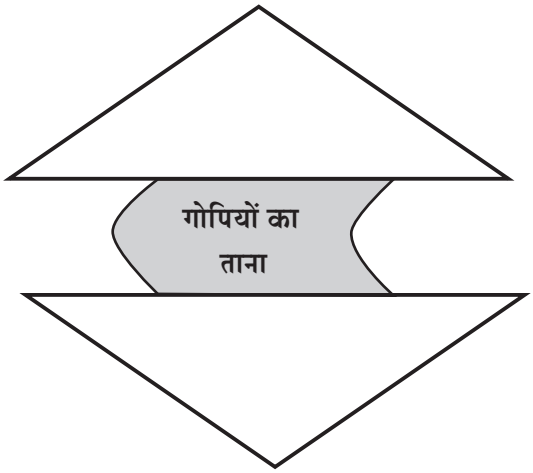

(2) (i) मानक हिंदी भाषानुसार कविता में प्रयुक्त क्रियाओं का अर्थ लिखिए। **2**

(1) खवायो (2) जायो

(3) निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। **2**

खोल किवार सूने मंदिर में दूध दही सब सखन खवायो।

सींके काढ़ि खाट चढ़ि मोहन कछु खायो कछु लै ढरकायो।

विभाग 3 - पूरक पठन 8 अंक

प्र.3. (अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(4)**

बुद्धिराम को कभी-कभी अपने अत्याचार का खेद होता था। विचारते कि इसी संपत्ति के कारण मैं इस समय भलामानुष बना बैठा हूँ। लड़कों को बुड्ढों से स्वाभाविक विद्वेष होता ही है और फिर जब माता-पिता का यह रंग देखते तो वे बूढ़ी काकी को और सताया करते। कोई चुटकी काटकर भागता, कोई उनपर पानी की कुल्ली कर देता! काकी चीख मारकर रोतीं। हाँ, काकी क्रोधातुर होकर बच्चों को गालियाँ देने लगतीं तो रूपा घटनास्थल पर आ पहुँचती। इस भय से काकी अपनी जिह्वा कृपाण का कदाचित ही प्रयोग करती थीं।

संपूर्ण परिवार में यदि काकी से किसी को अनुराग था तो वह बुद्धिराम की छोटी लड़की लाड़ली थी। लाड़ली अपने दोनों भाइयों के भय से अपने हिस्से की मिठाई-चबैना बूढ़ी काकी के पास बैठकर खाया करती थी। यही उसका रक्षागार था।

रात का समय था। बुद्धिराम के द्वार पर शहनाई बज रही थी और गाँव के बच्चों का झुंड विस्मयपूर्ण नेत्रों से गाने का रसास्वादन कर रहा था। चारपाइयों पर मेहमान विश्राम कर रहे थे। दो-एक अंग्रेजी पढ़े हुए नवयुवक इन व्यवहारों से उदासीन थे। वे इस गँवार मंडली में बोलना अथवा सम्मिलित होना अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल समझते थे।

(1) (i) समझकर लिखिए। **1**

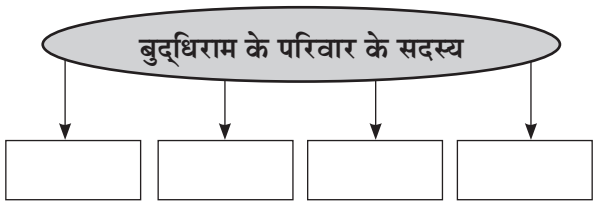

(ii) कारण लिखिए। **1**

अंग्रेजी पढ़े हुए नवयुवक उदासीन थे।

(2) 'बच्चे अपने माता-पिता का अनुसरण करते हैं।' कथन के संदर्भ में अपने विचार लिखिए। **2**

प्र.3. (आ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(4)**

बातों का जनाब, शऊर नहीं, शेखी न बघारें, हाँ चुप रहिए।
हम उस धरती की लड़की हैं, जिस धरती की बातें क्या कहिए।

अजी क्या कहिए, हाँ क्या कहिए।
जिस मिट्टी में लक्ष्मीबाई जी, जन्मी थीं झाँसी की रानी।
रजिया सुलताना, दुर्गावती, जो खूब लड़ी थीं मर्दानी।
जन्मी थी बीबी चाँद जहाँ, पद्मिनी के जौहर की ज्वाला।

सीता, सावित्री की धरती, जन्मी ऐसी-ऐसी बाला।
गर डींग जनाब उड़ाएँगे, तो मजबूरन ताने सहिए, ताने सहिए, ताने सहिए।
हम उस धरती की लड़की हैं...

(1) (i) **वर्गीकरण कीजिए।** **1**

(लक्ष्मीबाई, सावित्री, दुर्गावती, चाँद बीबी, पद्मिनी, सीता, रजिया सुलताना)

ऐतिहासिक	पौराणिक

(ii) **विशेषताओं के आधार पर पहचानिए।** **1**

(1) खूब लड़नेवाली मर्दानी -

(2) भारत माता के रथ के दो पहिए -

(2) **''प्रत्येक स्त्री में रानी लक्ष्मीबाई होती है।'' इस पर आधारित अपने विचार लिखिए।** **2**

विभाग 4 - व्याकरण

18 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) (i) **निम्नलिखित वाक्य में आए हुए संज्ञा शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए।** **1**

सोनाबाई अपने चार बच्चों के साथ आई।

(ii) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम का प्रयोग कीजिए।** **1**

..... रिसॉर्ट हमने पहले से बुक कर लिया है।

(2) (i) **निम्नलिखित वाक्य में से अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** **1**

वह उठा और घर चला गया।

(ii) **निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।।** **1**

बाद

(3) **काल परिवर्तन कीजिए।** **2**

(i) सातों तारे मंद पड़ गए। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(ii) मैंने खिड़की से गरदन निकालकर झिड़की के स्वर में कहा। (अपूर्ण भूतकाल)

(4) **तालिका पूर्ण लिखिए ।** **2**

संधि	संधि-विच्छेद	भेद
स्वागत	..... + ...	.....
.....	अन + आसक्त	.....

(5) (i) **अर्थ के आधार पर निम्न वाक्यों के भेद पहचानिए।** **1**
रहमान से गलती हो गई।

(ii) **सूचना के अनुसार निम्न वाक्य का प्रकार बदलिए।** **1**
थोड़ी बातें हुईं। (निषेधार्थक वाक्य)

(6) (i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए।** **1**
निजात पाना

(ii) **निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द समूह के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** **1**
(इज्जत उतारना, हाथ फेरना, काँप उठना, तिलमिला जाना, दुम हिलाना, बोलबाला होना)
सिरचन को बुलाओ, चापलूसी करता हुआ हाजिर हो जाएगा।

(7) **निम्नलिखित वाक्य को शुद्ध करके फिर से लिखिए।** **2**
(i) रंगीन फूल की माला बहोत सुंदर लग रही थी।
(ii) बरसों बाद पंडित जी को मित्र का दर्शन हुआ।

(8) **निम्नलिखित वाक्य में से मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए।** **1**
काकी घटनास्थल पर आ पहुँची।

(9) **निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए।** **1**

अ.क्र	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्‌वितीय प्रेरणार्थक
(i)	लिखना		
(ii)	जुटना		

(10) **निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए।** **1**
मैंने कराहते हुए पूछा मैं कहाँ हूँ

(11) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारक चिह्नों से कीजिए और कारक का नाम लिखिए।** **1**
रूपा घटना स्थल ..... आ पहुँची।

विभाग 5 - रचना विभाग

32 अंक

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है :

(1) **निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।** **5**
सार्वजनिक गणेशोत्सव के समय २४ घंटे ऊँची आवाज में रेकॉर्ड बजने के कारण कोल्हापुर में रहने वाले करन/ करिश्मा वेद के अध्ययन में बाधा पड़ती है। इस संदर्भ में वह शहर कोतवाल, शहर विभाग, कोल्हापुर को शिकायत पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

अपने मित्र या सहेली को जिला विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने के उपलक्ष्य में बधाई देते हुए पत्र लिखिए। (पत्र निम्न स्वरूप में हो)

दिनांक: .....

संबोधन :

अभिवादन :

प्रारंभ : .....

विषय विवेचन : .....

समापन : .....

हस्ताक्षर: .....

नाम : .....

पता : .....

.....

.....

ई-मेल आई. डी. : .....

(2) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हो। **5**

हमारे देश में धर्मों-संप्रदायों के अनेक उपासनागृह, मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर और गुरुद्वारे हैं। सभी शांति चाहते हैं, पर शांति का दर्शन कहीं होता नहीं। हर जगह कोई न कोई आंदोलन छिड़ा है। पत्थर, सीमेंट, गारे-चूने से बने इन भव्य, पवित्र स्थानों से मनुष्य की नैतिकता को कोई बल क्यों नहीं मिलता? जरूरत इस बात की है कि इन धार्मिक स्थानों से नैतिकता और शांति का संदेश प्रसारित हो। इन स्थानों में परंपरागत पुजारियों की जगह गणमान्य विद्वान हों, जो हमारे मन को शांति दें और उसमें एक विशेष आस्था का संचार करें। हमें आज धार्मिक क्षेत्र में आवश्यकता है ऐसी वैचारिक क्रांति की, जो सत्साहित्य की एवं चरित्र निर्माण करें।

प्र.6. (1) वृत्तांत लेखन । (लगभग ६० से ८० शब्दों में) **5**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर किसी समारोह का वृत्तांत लेखन कीजिए।

- स्थान
- तिथि और समय
- प्रमुख अतिथि
- समारोह
- अतिथि संदेश
- समापन

(2) **निम्न मुद्दों के आधार पर ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।** **5**

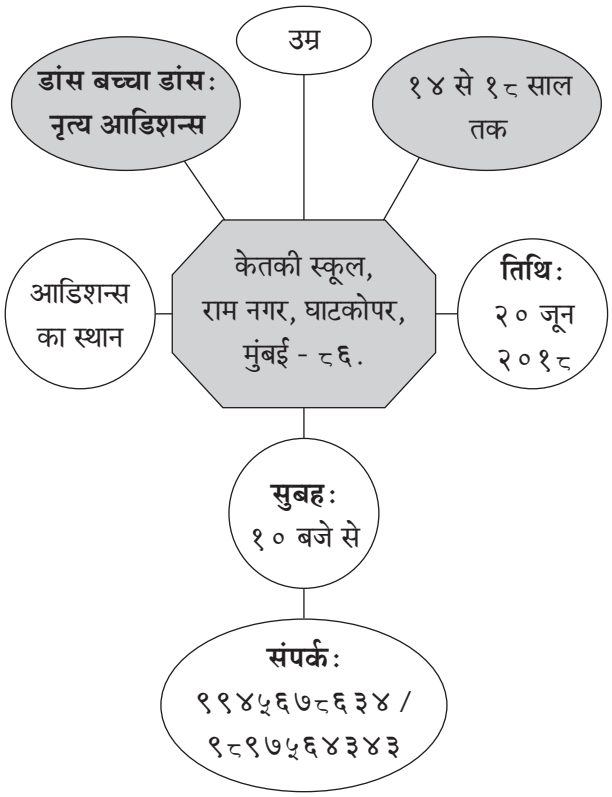

(3) **'परहित सरिस धर्म नहिं भाई' इस सुवचन पर आधारित ८० से १०० शब्दों में कहानी लेखन कीजिए।** **5**

(4) **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए ।** **7**

(i) 'मेरा प्रिय वैज्ञानिक' (ii) 'विश्व बंधुता-वर्तमान युग की माँग'

Best Of Luck